उत्तराखण्ड
ग्रामीण बैंक

UTTARAKHAND GRAMIN BANK

Scheduled Bank Owned by Government

14th ANNUAL REPORT

pkngok okf"kd ifronu

2025-26

*Map not to Scale

Uttarakhand Gramin Bank's first coffee table book
“Beyond the Summits: The Journey of Uttarakhand Gramin Bank”, was unveiled by
the Hon'ble Governor of Uttarakhand Lt. Gen. Gurmeet Singh (Retd.), at Lok Bhawan

The 13th Annual Book of Uttarakhand Gramin Bank was formally inaugurated by
the Hon'ble Governor of Uttarakhand Lt. Gen. Gurmeet Singh (Retd.), at Lok Bhawan

उत्तराखण्ड
ग्रामीण बैंक

UTTARAKHAND GRAMIN BANK

Scheduled Bank Owned by Government

वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26

प्रधान कार्यालय:
8ए, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून- 248013
ईमेल: info@ukgb.bank.in
वेबसाईट:www.ukgb.bank.in

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून – 248001
फोन : 0135-2650433
0135-2716262
फैक्स : 0135-2712827
कैम्प कार्यालय
फोन : 0135-2750033
0135-2750344
फैक्स : 0135-2752144

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि **उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा 14वें वार्षिक प्रतिवेदन (वित्तीय वर्ष 2025–26)** का प्रकाशन किया जा रहा है। यह सर्वविदित है कि उत्तराखण्ड एक युवा राज्य होने के साथ–साथ विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाला प्रदेश है, जहाँ पर्वतीय, सीमान्त एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की किरण पहुँचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। बैंक द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में भी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराकर यह सिद्ध किया है कि समर्पित प्रयासों के माध्यम से विकास की मुख्यधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाया जा सकता है। मुझे आशा है कि इस वार्षिक प्रतिवेदन में उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में कार्य करने के साथ–साथ मा0 प्रधानमंत्री जी जन–धन योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), किसान हितैषी योजनाएँ, स्वरोजगार कार्यक्रम तथा वित्तीय समावेशन का समावेश होने से यह वार्षिक प्रतिवेदन निःसंदेह पाठकों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। महिलाओं को वित्तीय संसाधनों से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर प्रदान करना न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करता है। राज्य सरकार भी राज्य के समावेशी, संतुलित एवं सतत् विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत् है। हमारा लक्ष्य ऐसा उत्तराखण्ड निर्माण करना है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और प्रत्येक नागरिक को उन्नति के समान अवसर प्राप्त हों। मुझे यह भी आशा है कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मेरी ओर से उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों का इस 14वें वार्षिक प्रतिवेदन (वित्तीय वर्ष 2025–26) के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(पुष्कर सिंह धामी)

संदेश

उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के **14वें वार्षिक प्रतिवेदन (वित्तीय वर्ष 2025–26)** के प्रकाशन के अवसर पर मुझे प्रसन्नता हो रही है। यह प्रतिवेदन बैंक की वर्षभर की उपलब्धियों, वित्तीय प्रदर्शन, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण विस्तार तथा ग्रामीण विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतिबिंब है।

उत्तराखंड जैसे भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य में ग्रामीण बैंक की भूमिका अत्यंत महत्वपर्ण है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण विस्तार, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के वित्तपोषण, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण तथा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

विशेष रूप से, राज्य में **NRLM के अंतर्गत लगभग 48% भागीदारी** बैंक की ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं– PMJJBY, PMSBY, APY – में बैंक की उपलब्धियां भी सराहनीय हैं।
साथ ही बैंक द्वारा **83.79 करोड़ का शुद्ध लाभ**, नियंत्रित सकल एनपीए तथा **100% PCR** बनाए रखना इसकी मजबूत वित्तीय स्थिति को प्रदर्शित करता है।
मुझे विश्वास है कि उत्तराखंड ग्रामीण बैंक भविष्य में भी ग्रामीण विकास एवं वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

मैं बैंक के अध्यक्ष, निदेशक मंडल, प्रबंधन एवं समस्त कर्मचारियों को **14वें वार्षिक प्रतिवेदन** के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

(पंकज यादव)
मुख्य महाप्रबन्धक
नाबार्ड, उत्तराखंड क्षेत्रीय कार्यालय

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
National Bank for Agriculture and Rural Development

उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालयः
42, आई.टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून–248013 फोनः 0135–2607741 फैक्सः 0135–2607743 ई मेल : dehradun@nabard.org

Uttarakhand Regional Office:
42,IT Park, Sahastradhara Road, Dehradun- 248013 • Ph.No.: 0135-2607741 • Fax No.: 0135-2607743 • Email: dehradun@nabard.org

गाँव बढ़े >> तो देश बढ़े   www.nabard.org   nabardonline   Taking Rural India >> Forward

संदेश

उत्तराखंड ग्रामीण बैंक (यूजीबी) के निदेशक मण्डल, प्रबंधन और सम्पूर्ण टीम को वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक पुस्तक के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

उत्तराखंड की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूदए यूजीबी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और वित्तीय समावेशन को राज्य के अंतिम छोर तक पहुँचाने में सराहनीय कार्य किया है। बैंक द्वारा कृषि, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग (MSME) और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के निष्पादन के माध्यम से जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास सुनिश्चित करना वाकई प्रशंसनीय है।

आज के तेजी से बदलते वित्तीय परिदृश्य में, डिजिटल बैंकिंग समाधानों को अपनाना और ग्राहक सेवा केन्द्रों (CSP) के नेटवर्क को मजबूत करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही, परिसंपत्ति गुणवत्ता (Asset Quality) और जोखिम प्रबंधन पर निरंतर ध्यान केन्द्रित रखना बैंक के सतत् विकास का मुख्य आधार बनेगा।

मैं बैंक के अध्यक्ष, निदेशक मण्डल और प्रत्येक कर्मचारी के निष्ठावान प्रयासों की सराहना करता हूँ, जिनकी मेहनत से यह सफलता संभव हो सकी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उत्तराखंड ग्रामीण बैंक भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मैं बैंक के सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

अतुल श्रीवास्तव
मुख्य महाप्रबंधक (सहयोगी एवं अनुषंगी)
भारतीय स्टेट बैंक
कॉर्पोरेट केन्द्र
मुंबई

Message

It gives me immense pleasure to extend my warmest congratulations to the leadership and entire team of Uttarakhand Gramin Bank on the publication of its 14th Annual Book. Operating amidst a uniquely formidable topography, UGB has manifested exemplary institutional resilience, translating systemic challenges into milestones of operational brilliance during the financial year 2025-26.

The Bank's performance over the past fiscal year reflects a spectacular paradigm shift, characterized by a significant escalation in its aggregate business volume and achieving the landmark balance sheet size of Rs.10000 crores. This fiscal ascendancy is beautifully underscored by a robust surge in profitability and an absolute, flawless triumph in credit discipline—eradicating toxic assets to achieve an impeccable net non-performing standard.

In perfect alignment with the transformative mandates of the Government of India, DFS, and NABARD, UGB has acted as a powerful force multiplier for grassroots financial inclusion and socio-economic empowerment. This commitment is vividly reflected across the Bank's active physical, digital, and social footprint—spanning a robust network of strategic banking outlets, mobile literacy vans, and an expansive grid of Customer Service Points (CSPs) that bridge the deepest alpine valleys.

As you commemorate this journey of deep-rooted transformation, I am confident that Uttarakhand Gramin Bank will continue to conquer new summits of financial excellence, deepen public trust, and enrich the socio-economic fabric of the state.

Shri Prakash Chandra Baror
General Manager (RRB)
Associate and Subsidiary Department
State Bank of India, Corporate Centre
Mumbai

सामग्री की तालिका

TABLE OF CONTENT

1	निदेशक मंडल	vii
2	Our Mentors	viii
3	उच्च प्रबन्धन	ix
4	अध्यक्ष की कलम से	x
5	बैंक का विज़न और मिशन	xii
6	बैंक की प्रगति- एक दृष्टि में	1
7	निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	5
8	Performance of the Bank at a Glance	36
9	Board of Directors' Report	39
10	List of Auditors	69
11	Independent Auditors' Report	70
12	Balance Sheet	75
13	Accounting Policies and Notes to Accounts	83
14	लेखा प्रणाली और लेखों से सम्बन्धित टिप्पणियाँ	106

निदेशक मण्डल

श्री हरि हर पटनायक
अध्यक्ष

श्री कुमार श्यामल पार्थसारथी
अवर सचिव, डीएफएस
वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री प्रकाश चन्द्र बरोड़
महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक,
कार्पोरेट आफिस, मुम्बई

श्री परमदीप सिंह
सहायक महाप्रबंधक
आरबीआई, क्षेत्रीय कार्यालय,
देहरादून

श्री विनोद कुमार
उपमहाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक (ए.ओ.-3),
देहरादून

श्री गंगा प्रसाद
अपर सचिव (वित्त)
उत्तराखण्ड सरकार

श्रीमती अनुराधा पाल
अपर सचिव (ग्राम्य विकास)
उत्तराखण्ड सरकार

श्री भूपेन्द्र कुमावत
उप महाप्रबंधक
नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय,
देहरादून

Our Mentors

Shri Challa Sreenivasulu Setty
Chairman
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

Shri Ashwini Kumar Tewari
Managing Director
Corporate Banking (CAG & CCG)
& Subsidiaries
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri Atul Srivastava
CGM (Associates & Subsidiaries)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri Prakash Chandra Baror
General Manager (RRB)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Our Regulators

Shri Pankaj Yadav
Chief General Manager
NABARD, Regional Office, Dehradun

उच्च प्रबन्धन

श्री हरि हर पटनायक
अध्यक्ष

श्रीमती अमीता रतूड़ी
महाप्रबंधक

श्रीमती भारती नौडियाल
महाप्रबंधक

श्री राजीव प्रकाश
महाप्रबंधक

श्री के.एम.शर्मा
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय प्रथम, देहरादून

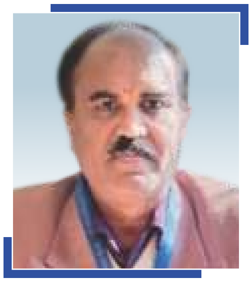

श्री देवेश जोशी
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय, पौड़ी

श्री विशाल खत्री
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय तृतीय, पिथौरागढ़

श्री कृष्ण कुमार
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी

श्री कमल वर्मा
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय पंचम, अल्मोड़ा

श्रीमती उमा नाथ
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय षष्ठम, हरिद्वार

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय साथियों,

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 बैंक के लिए उल्लेखनीय प्रगति और महत्वपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है । इस वर्ष बैंक ने उत्कृष्ट सेवा के साथ-साथ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाये हैं । सुविचारित योजनाओं, डिजिटल पहल और मजबूत क्रियान्वित नीतियों ने बैंक को विकास की नयी ऊँचाइयों तक पहुंचाया है ।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं :

- इस वर्ष DFS तथा NABARD के माध्यम से प्राप्त नया लोगो बैंक द्वारा अपनाया गया ।
- बैंक द्वारा परिचालन लाभ 147.62 करोड़ तथा ₹ 83.79 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया है ।
- दिनांक 31.03.2026 की तिथि पर बैंक का व्यवसाय 10.38% प्रतिशत की वृद्धि दर से ₹ 14403.68 करोड़ रहा, जिसमें जमा ₹ 9118.87 करोड़ (7.65% प्रतिशत वृद्धि) तथा ऋण ₹ 5284.06 करोड़ (15.42% प्रतिशत वृद्धि) है ।
- बैंक का कुल कृषि ऋण वित्तीय वर्ष 2025-26 में 17.74% की वृद्धि से बढ़कर ₹ 818.36 करोड़ हो गया है ।
- बैंक का कुल एमएसएमई ऋण 25.15% की वृद्धि से बढ़कर ₹ 1750.34 करोड़ हो गया है ।
- 31.03.2026 को बैंक के कुल ऋण के सापेक्ष सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 31.03.2025 के 3.07 प्रतिशत रहा ।
- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में कुल 295 लाभार्थियों को ₹ 5.90 करोड़ दावा राशि एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में कुल 81 लाभार्थियों को ₹ 1.62 करोड़ दावा राशि का भुगतान बीमा कंपनियों के माध्यम से करवाया गया।
- बैंक द्वारा अपनी प्रथम "कॉफी टेबल बुक: Beyond the Summits" का विमोचन किया गया ।
- इस वित्तीय वर्ष में बैंक द्वारा 8 नयी शाखाओं का उद्घाटन किया गया ।
- वित्तीय समावेशन के तहत 95 ब्लाकों में ब्लॉक स्तर कार्यक्रम आयोजित किए गए ।
- 32 शाखाओं एवं केंद्रीय प्रसंस्करण सेल का आधुनिकीकरण कर ग्राहक अनुभव में सुधार हेतु प्रयास किये गये ।
- बैंक ने इस वित्तीय वर्ष में प्रधान कार्यालय के नए भवन में सफलतापूर्वक स्थानांतरण किया ।
- बैंक को एक नए क्षेत्रीय कार्यालय, हरिद्वार हेतु लाइसेंस प्राप्त हुआ।
- ट्रेन, बस, एवं एअरपोर्ट ट्राली जैसे विभिन्न माध्यमों पर प्रचार प्रसार द्वारा बैंक की दृश्यता बनायीं ।
- टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारी सहभागिता गतिविधियों जैसे की क्रिकेट टूर्नामेंट, होली उत्सव, दिवाली

उत्सव, महिला दिवस, ''नवचेतना'' जो कि महिला शाखा प्रबन्धकों के लिए एक प्रेरक सत्र रहा, आदि का आयोजन किया गया ।

- बैंक की शाखाओं द्वारा विभिन्न ''कम्युनिटी कनेक्ट'' कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे मेहँदी कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक बैठकें आदि कराये गए ।
- बैंक द्वारा कार्मिक कल्याण की दृष्टि से एक नयी पहल सेतु की शुरुआत की गयी, एक ऐसा कार्यक्रम जो हमारे बैंक को और अधिक सहियोगी, संवेदनशील, प्रेरणादायी कार्यस्थल बनाने के लिए समर्पित है ।
- वित्तीय समावेशन को तकनीकी के साथ जोड़ते हुए बैंक द्वारा अपने सभी 624 CSP's को POS डिवाइस उपलब्ध करायी गयी।

यह उपलब्धियाँ एक सहयोगी प्रयास का परिणाम है ।

मुझे विश्वास है की हम सभी के संयुक्त प्रयासों से उत्तराखंड ग्रामीण बैंक आने वाले समय में और भी अधिक विकसित बनेगा ।

मै समस्त ग्राहकों, राज्य की जनता, बैंक कर्मियों, बैंक निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड तथा प्रायोजक बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित करता हूँ ।

आइए, हम सब मिलकर आने वाले वर्षो में और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए सतत प्रयास करते हुए अपनी सेवाओं को और भी अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाएं ।

शुभकामनाओं एवं आभार सहित!

(हरि हर पटनायक)

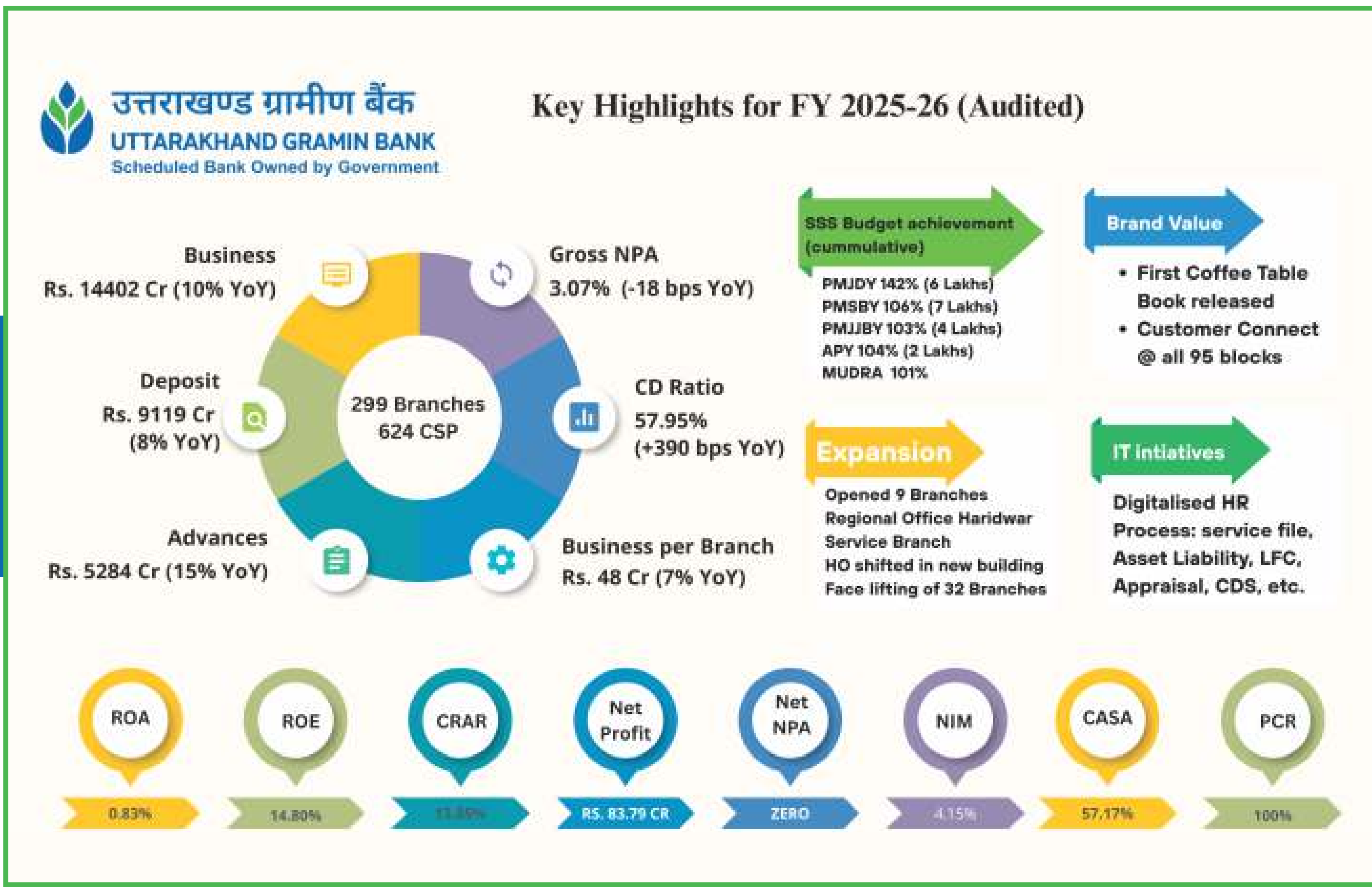

दृष्टिकोण (Vision)

पारदर्शिता और सक्षमता के साथ ग्राहक केन्द्रित सेवाएं प्रदान करके उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाकर उत्तराखण्ड राज्य का उत्तम बैंक बनना।

To become Uttam Bank of Uttarakhand State by enriching lives of Uttarakhand people by delivering customer-focussed services with transparency and competency.

लक्ष्य (Mission)

नवोन्मेषी वित्तीय समाधान के लिये समर्पित, व्यैक्तिकृत सेवा और उत्तराखण्ड के अन्तिम छोर के नागरिक की सेवा के लिए सर्वांगींण वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है।

Dedicated to deliver innovative financial solutions, personalized service and committed for all around financial inclusion, to serve the last mile citizen of Uttarakhand.

मूल्य (Values)

उत्तराखण्ड के लोगों के विश्वास, वित्तीय जरूरतों की पारदर्शिता, भावनात्मक भलाई और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सम्बन्ध बनाना।

Building long-term relationships based on trust, transparency and a deep understanding of financial needs, emotional well-being & cultural values of the people of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

बैंक की प्रगति : एक दृष्टि में

क्र.सं.	विवरण	31.03.2026	31.03.2025	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2022
I	**प्रमुख प्रगति सूचकांक**					
1	कार्यक्षेत्र में जिलों की संख्या	13	13	13	13	13
2	शाखाओं की संख्या	299	291	290	288	286
	(अ) ग्रामीण	227	220	219	217	216
	(ब) अर्द्धशहरी	42	41	41	41	41
	(स) शहरी	30	30	30	30	29
	(द) महानगरीय	0	0	0	0	0
3	कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक स्टाफ के अतिरिक्त) जिसमें से	1138	1025	999	1087	1049
	अधिकारी	746	665	627	643	613
4	जमा राशियां	91188684	84704937	78336215	71177595	64855343
	वृद्धि प्रतिशत	7.65%	8.13%	10.06%	9.75%	8.00%
5	उधार अवशेष	4311200	2844105	1909802	1002335	854324
	वृद्धि प्रतिशत	51.58%	48.92%	90.54%	17.32%	-22.63%
6	सकल ऋण एवं अग्रिम अवशेष	52840605	45779526	37476356	31473983	27908147
	वृद्धि प्रतिशत	15.42%	22.16%	19.07%	12.78%	7.49%
	6 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण	32345943	26417579	21337896	18706420	17498102
	6 में से अनु0 जाति/जनजाति ऋण	3009567	3757456	3437340	3219514	3093099
	6 में से लघु सीमान्त कृषक खेतिहर मजदूरों को ऋण	6348901	5160229	4307009	3225956	2968356
	6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण	1940557	1587688	1277169	1093699	1042270
7	ऋण जमा अनुपात	57.95%	54.05%	47.84%	44.22%	42.96%
8	1. निवेश अवशेष (सावधि जमा रहित)	39283581	36712501	37224150	34541482	32783267
	वृद्धि प्रतिशत	7.00%	-1.37%	7.77%	5.36%	13.07%
	i. सांविधिक तरल निधि निवेश	38249991	35489262	36205109	33795736	32233626
	ii. गैर सांविधिक तरल निधि निवेश (सावधि जमा रहित)	1033590	1223238	1019041	745746	549641
	बैंकों के साथ चालू खाता अवशेष	284323	329684	501667	321364	316836
	बैंकों के साथ सावधि जमा अवशेष	8546087	9055821	8579572	7833889	6803484
II	**औसत**					
1	औसत जमा राशियां	87316993	80475777	73992220	67129865	61675287
	वृद्धि प्रतिशत	8.50%	8.76%	10.22%	8.84%	7.55%

2	औसत उधार	3705184	2144602	1225169	938763	987152
	वृद्धि प्रतिशत	72.77%	75.05%	30.51%	-4.90%	-15.09%
3	औसत ऋण एवं अग्रिम अवशेष	48680826	39955015	33307744	28453714	25937773
	वृद्धि प्रतिशत	21.84%	19.96%	17.06%	9.70%	5.98%
4	औसत निवेश (सावधि जमा रहित)	37878322	36948607	35526696	33665564	31815008
	वृद्धि प्रतिशत	2.52%	4.00%	5.53%	5.82%	13.47%
	औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश	36708401	35888060	34590263	33063133	31110752
	औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश (सावधि जमा रहित)	1169921	1060547	936433	602431	704256
	औसत निवेश का औसतन जमाओं में प्रतिशत	10.31%	13.25%	55.44%	50.15%	51.58%
5	औसत कार्यशील पूंजी	101121759	90207230	81379916	72876092	66018286
III	**ऋण वितरण**					
1	वर्ष के दौरान कुल ऋण वितरण	30713687	29280537	24684695	20131676	16293456
	1 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	17431574	15983157	12022893	9235883	7868931
	1 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण	13282113	13297379	12661802	10895793	8424525
	1 में से अनु0 जाति/जनजाति को ऋण	2179222	1995044	1887363	1789444	1519253
	1 में से लघु सीमान्त कृषकों/खेतिहर मजदूरों को ऋण	4591033	3953044	3206844	2180811	1688925
IV	**उत्पादकता**					
1	प्रति शाखा	481703	448400	399354	356429	324726
	प्रतिकर्मी	126564	127302	115928	94089	88114
V	**वसूली प्रगति**					
	सकल (30 जून 2025 तक)					
	मांग	12141101	10671788	9819254	8099855	7193591
	वसूली प्रगति :	10766770	9200663	8304407	6554416	5703264
	अतिदेय	1374331	1471126	1514848	1545439	1490327
	वसूली प्रतिशत	88.68%	86.21%	84.57%	80.92%	79.28%
1	कृषि क्षेत्र					
	मांग	2321254	1786852	1823386	1550027	1653010
	वसूली	1625159	1059511	1118495	870471	1020473
	अतिदेय	696095	727341	704891	679556	632537
	वसूली प्रतिशत	70.01%	59.29%	61.34%	56.16%	61.73%
2	गैर कृषि क्षेत्र					
	मांग	9819847	8884936	7995868	6549828	5540581
	वसूली	9141611	8141152	7185912	5683945	4682791
	अतिदेय	678236	743785	809957	865883	857790
	वसूली प्रतिशत	93.09%	91.63%	89.87%	86.78%	84.52%

VI	**आस्ति वर्गीकरण**					
1	मानक आस्ति	51216365	44290968	35924394	29755053	25896503
	अवमानक आस्ति	451606	269164	258894	262914	453726
	संदिग्ध आस्ति	1129827	1185087	1257163	1436496	1545494
	हानिपद्र आस्ति	42807	34307	35905	19520	12424
	योग	52840605	45779526	37476356	31473983	27908147
2	मानक आस्तियों को सकल ऋण व अग्रिम शेष में प्रतिशत	96.93%	96.75%	95.86%	94.54%	92.79%
	सकल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	3.07%	3.25%	4.14%	5.46%	7.21%
	निवल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	0.00%	0.00%	0.02%	1.50%	3.04%
VII	**लाभप्रदता विश्लेषण**					
1	प्रदत्त ब्याज					
	जमा राशियों पर	3722624	3483358	3108918	2575741	2391588
	उधार पर	212804	140037	71153	43198	44472
2	वेतन	1818934	1823311	1686027	1360642	1460429
3	पेंशन भुगतान तथा प्रावधान	154334	177342	50161	653242	666621
4	अन्य परिचालन व्यय	1021580	808146	650299	664724	577011
5	वर्ष के दौरान प्रावधान					
	अलाभकारी आस्तियों के विरुद्ध	128387	8111	253	167441	110072
	अन्य प्रावधान	221271	91844	328057	54134	59749
6	अर्जित ब्याज					
	ऋण एवं अग्रिमों पर	4485967	3727747	3164460	2736771	2380444
	प्रायोजक बैंक/अन्य बैंकों में सावधि जमा/चालू खाते पर	626939	704758	614325	430977	286252
	सांविधिक चल निधि निवेश पर	2689408	2630974	2547602	2402146	2270817
	गैर सांविधिक चलनिधि निवेश पर	62875	62581	59276	45619	41338
7	विविध आय	541252	445985	386447	343114	401459
8	लाभ/हानि					
	कर पूर्व लाभ	1126505	1039896	877243	439505	70369
	कर पश्चात् लाभ	837884	781144	752555	437796	68196
VIII	**अन्य सूचनाएं**					
1	अंश पूंजी जमा प्राप्त	0	0	4	0	0
2	डीआईसीजीसी					
	संचयी दावे निष्पादित	0	0	0	0	0
	दावा प्राप्त परन्तु लम्बित	0	0	0	0	0
	दावा प्राप्त परन्तु निकाय दर लम्बित	0	0	0	0	0
3	जमा हेतु प्रावधान					
	अलाभकारी आस्तियों के विरुद्ध	1129507	1128532	1162417	1258772	1186766

	परिसम्पित्तियों के विरुद्ध अन्य प्रावधान	0	0	0	0	0
4	अमान्य आय					
	वर्ष के दौरान	0	0	0	0	0
	संचित जमा	0	0	0	0	0
5	बट्टे खाते में डाले गए ऋण खातों की संख्या	1939	525	993	1164	67
	राशि (कल्पित ब्याज छोड़कर)	127412	42016	100493	104264	8396
6	संचित हानि	0	0	0	0	0
7	प्रारक्षित निधि	3820350	2982465	2201321	1448766	1010970

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु बैंक के निदेशक मण्डल की रिपोर्ट

समस्त निदेशक मण्डल अपार प्रसन्नता एवं हर्ष के साथ 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित विवरण के साथ बैंक के व्यवसाय और संचालन पर चौदहवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था का अवलोकन

पश्चिम एशिया में संघर्ष के प्रकोप के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने अभूतपूर्व चुनौती खड़ी हो गई है। उच्च कीमतें और वैश्विक विकास दर में (SAE) के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रहने का अनुमान है।

मार्च 2026 के दौरान, मध्य पूर्व के संघर्षों के कारण परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मैन्युफैक्चरिंग घटकर 53.9 (चार वर्षों में न्यूनतम) और पीएमआई सर्विसेज घटकर 57.5 रह गया।

आने वाल समय में, उच्च ऊर्जा एवं अन्य कमोडिटी कीमतें तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों के कारण उत्पन्न आपूर्ति में रुकावट, वर्ष 2026-27 में घरेलू उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए तथा इस धारणा के आधार पर कि संघर्ष का प्रतिकूल प्रभाव निकट अवधि में सीमित रहेगा, वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत अनुमानित है, जिसमें Q1 में 6.8 प्रतिशत, Q2 में 6.7 प्रतिशत, Q3 में 7.0 प्रतिशत और Q4 में 7.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। वर्ष 2026-27 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत अनुमानित है, जिसमें Q1 में 4.0 प्रतिशत, Q2 में 4.4 प्रतिशत, Q3 में 5.2 प्रतिशत और Q4 में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रेपो दर में 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर इसे दिसंबर 2025 में 5.25% तक कर दिया, जो अप्रैल 2026 की बैठक तक अपरिवर्तित रही।

उत्तराखंड अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड की प्रति व्यक्ति आय वित्त वर्ष 2025-26 में ₹ 2,73,921 रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष ₹ 2,50,736 की तुलना में 9.25% की वृद्धि दर्शाती है। वहीं भारत की प्रति व्यक्ति आय वित्त वर्ष 2025-26 में ₹ 2,19,575 अनुमानित है, जो 6.9% की वार्षिक वृद्धि को दर्शाती है।

उत्तराखंड की सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2024-25 में 6.44% रहने का अनुमान है और वित्त वर्ष 2025-26 में इसके 7.23% तक बढ़ने का प्रक्षेपण है। राज्य का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में GSDP का 3.62% तथा प्राथमिक घाटा 1.61% अनुमानित है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह क्रमशः 2.74% और 0.83% था।

वित्त वर्ष 2025-26 में राज्य की अर्थव्यवस्था में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों का योगदान क्रमशः 9.59%, 39.95% और 50.46% रहने की अपेक्षा है (स्रोत: आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, उत्तराखंड सरकार)। कृषि क्षेत्र में 4% की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है, जो कुल प्राथमिक क्षेत्र का 34% है। पशुपालन 27%, वानिकी एवं लकड़ी कटाई 27% तथा मत्स्य एवं जलीय कृषि केवल 0.54% का योगदान करते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल बजट का 2.79% कृषि क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया है।

यह स्पष्ट है कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था पर्यटन आधारित है, जिसे 'देवभूमि' के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2025 में चारधाम में कुल 51.04 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए (बद्रीनाथ में 16.60 लाख, केदारनाथ में 17.68 लाख, गंगोत्री में 7.58 लाख, यमुनोत्री में 6.44 लाख तथा हेमकुंड साहिब में 2.74 लाख श्रद्धालु)।

उत्तराखंड विनिर्माण उद्योग, पर्यटन एवं अवसंरचना में निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभरा है। अप्रैल 2026 में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के खुलने से एमएसएमई एवं सेवा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तराखंड में बैंकिंग उद्योग का अवलोकन

उत्तराखंड राज्य में दिनांक 30.06.2025 की तिथि पर कुल 35 बैंकों की 2619 शाखाएं हैं जिनमें 12 पीएसबी, 1 आरआरबी (यूजीबी), 15 निजी बैंक, 5 लघु वित्त बैंक (Small Finance Bank) और सहकारी बैंक (1 राज्य सहकारी बैंक, 10 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक) हैं। इसके अतिरिक्त, हरिद्वार जिले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की एक शाखा थी, जिसका 22-02-2026 को उत्तराखंड ग्रामीण बैंक में विलय कर दिया गया।

30.06.2025 तक राज्य के सभी बैंकों की कुल जमा राशि ₹ 242972 करोड़ रही, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 10.23% की वृद्धि दर्ज की गई।

30.06.2025 तक राज्य के सभी बैंकों के कुल अग्रिम (RIDF को छोड़कर) ₹ 128810.29 करोड़ रहे, जिनमें वर्ष-दर-वर्ष 11.63% की वृद्धि हुई। 30.06.2025 तक राज्य के सभी बैंकों का सकल एनपीए 3.24% रहा।

30.06.2025 तक राज्य का ऋण-जमा अनुपात 54.40% तथा RIDF को छोड़कर ऋण-जमा अनुपात 53.01% रहा। कृषि अग्रिम कुल अग्रिमों का 13.10% तथा प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम कुल अग्रिमों का 51.72% रहे। 30.06.2025 तक MSME अग्रिम कुल अग्रिमों का 27.62% रहे।

नई शाखा/कार्यालय

उत्तराखंड के समस्त 13 जिलों में बैंक की 299 शाखाऐं और 624 व्यवसाय प्रतिनिधि कार्यरत है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक ने आठ नई शाखाएँ, एक सेवा शाखा तथा एक क्षेत्रीय कार्यालय खोला। राज्य क्षेत्राधिकार में स्थित होने के कारण बैंक ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक से लालढांग शाखा का भी अधिग्रहण किया, जिसका विवरण निम्नवत है:

क्रम	वर्ग	शाखा कोड	शाखा का नाम	जिला	शाखा खोलने की तिथि
1	शाखा	805	कृषाली चौक	देहरादून	29.09.2025
2	शाखा	242	नौगाँव खाल	पौड़ी	29.09.2025
3	शाखा	438	लालपुर नायक	नैनीताल	29.09.2025
4	शाखा	163	चमियाला	टिहरी गढ़वाल	29.09.2025
5	शाखा	164	पीपलडाली	टिहरी गढ़वाल	31.12.2025
6	शाखा	264	नंदानगर	चमोली	31.12.2025
7	शाखा	196	खानपुर	हरिद्वार	29.01.2026
8	शाखा (UPGB से अधिग्रहित)	197	लालढांग	हरिद्वार	22.02.2026
9	शाखा	198	झबरेरा	हरिद्वार	30.03.2026
10	क्षेत्रीय कार्यालय	600	हरिद्वार	हरिद्वार	30.03.2026

व्यवसाय समीक्षा

बैंक का व्यवसाय दिनांक 31 मार्च 2026 को 10.38% वृद्धि दर के साथ रु० 14402.92 करोड़ रहा, जो कि दिनांक 31 मार्च 2025 को रु० 13048.45 करोड़ था।

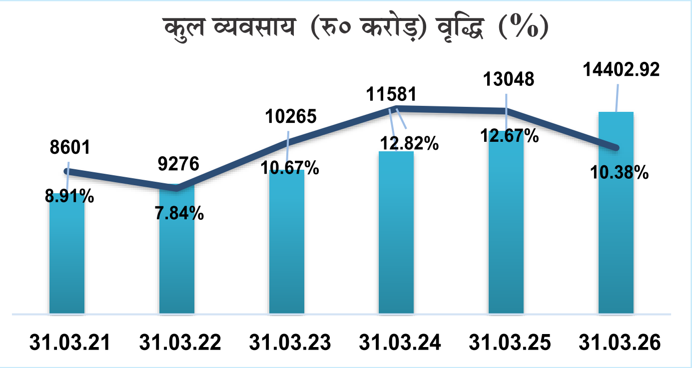

लाभ विश्लेषण

वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक ने ₹147.62 करोड़ का परिचालन लाभ तथा ₹83.79 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह क्रमशः ₹113.90 करोड़ एवं ₹ 78.11 करोड़ था।

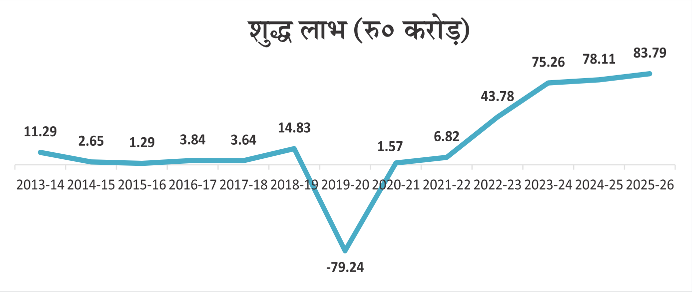

आय-व्यय

(रु० करोड़)

विवरण	2024-25	2025-26	वृद्धि %
ब्याज आय	712.61	786.52	10.37%
ब्याज व्यय	362.34	393.54	8.61%
गैर ब्याज आय	44.60	54.13	21.37%
गैर ब्याज व्यय	280.88	299.48	6.62%
परिचालन लाभ	113.99	147.62	29.60%
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	10.00	34.97	249.70%
कर पूर्व लाभ	103.99	112.65	8.33%
आयकर	25.92	27.65	6.67%
स्थगित किए गए कर तथा गत वर्ष के समायोजन(आधिक्य)	0.05	1.21	2520.00%
शुद्ध लाभ	78.11	83.79	7.27%

शुद्ध ब्याज आय

वित्तीय वर्ष की अवधि में कुल ब्याज आय रु0 786.52 करोड़ हुई तथा ब्याज व्यय रु० 393.54 करोड़ रहा। वर्ष के दौरान शुद्ध ब्याज आय में

₹ 42.71 करोड़ की वृद्धि होकर यह ₹ 392.98 करोड़ हो गई, जबकि वर्ष 2023-24 में यह ₹350.27 करोड़ थी।

(राशि करोड़ में)

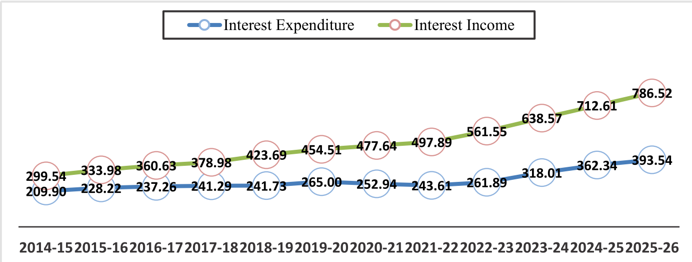

ब्याज व्यय

- जमाओं पर भुगतान किया गया ब्याज पिछले वित्त वर्ष के ₹ 348.34 करोड़ से ₹ 23.92 करोड़ बढ़कर ₹ 372.26 करोड़ हो गया। जमा की लागत वर्ष 2024-25 के 4.33% की तुलना में 7 बेसिस प्वाइंट घटकर 4.26% रह गई।
- उधारियों की औसत लागत वर्ष 2024-25 के 6.53% से घटकर वर्ष 2025-26 में 5.74% हो गई। बैंक ने वर्ष के दौरान उधारियों (नाबार्ड एवं अन्य संस्थाओं से पुनर्वित्त) पर ब्याज के रूप में ₹ 21.28 करोड़ का भुगतान किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह ₹ 14.00 करोड़ था।

(राशि करोड़ में)

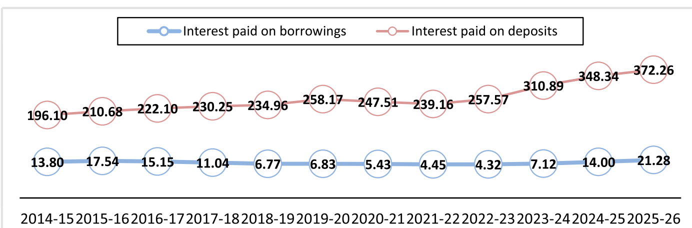

परिचालन व्यय

- परिचालन व्यय में ₹18.60 करोड़ (6.62%) की वृद्धि होकर यह वर्ष 2025-26 में ₹ 299.48 करोड़ हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में ₹ 280.88 करोड़ था।
- परिचालन व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वार्षिक पेंशन देयता हेतु ₹15.43 करोड़ का अंशदान/प्रावधान भी शामिल है।

अन्य आय

अन्य आय में ₹ 9.53 करोड़ (21.36%) की वृद्धि होकर यह वर्ष 2025-26 में ₹ 54.13 करोड़ हो गई, जबकि वर्ष 2024-25 में यह ₹ 44.60 करोड़ थी। वित्त वर्ष के दौरान बैंक ने निवेशों की बिक्री से ₹ 8.97 करोड़ का लाभ अर्जित किया। कुल आय में गैर-ब्याज आय का हिस्सा वित्त वर्ष 2024-25 के 5.89% से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.44% हो गया।

ब्याज आय

- वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ब्याज आय ₹ 712.61 करोड़ से बढ़कर ₹ 786.52 करोड़ हो गई, जिसमें ₹ 73.91 करोड़ (10.37%) की वृद्धि दर्ज की गई।
- चालू वित्त वर्ष में बैंक ने ऋण एवं अग्रिमों से ₹ 448.60 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की, जबकि वर्ष 2024-25 में यह ₹ 372.77 करोड़ थी। इस प्रकार ₹ 75.82 करोड़ (20.34%) की वृद्धि हुई।
- अन्य बैंकों में निवेश एवं सावधि जमा से प्राप्त ब्याज आय में ₹ 1.91 करोड़ की कमी होकर यह ₹ 337.92 करोड़ रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह ₹ 339.83 करोड़ थी।

(राशि करोड़ में)

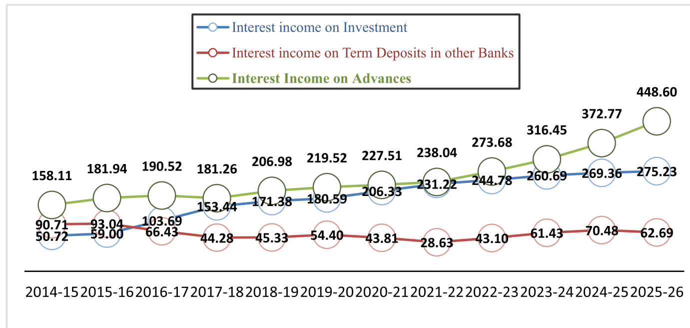

एन.पी.ए के लिए प्रावधान

- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान अनर्जक अस्तियों हेतु रू० 12.84 करोड़ का प्रावधान तथा मानक अस्तियों हेतु रू० 2.27 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

संपत्ति	2024-25		2025-26	
	बकाया	प्रावधान	बकाया	प्रावधान
मानक	4429.10	14.77	5121.64	17.04
अवमानक	26.92	4.16	45.16	7.23
संदिग्ध	118.51	105.26	112.98	101.45
क्षति	3.43	3.43	4.28	4.27
Total	4577.95	127.63	5284.06	129.99

- उपरोक्त के अलावा, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रू० 7.06 करोड़ का फ्लोटिंग प्रावधान किया है।

अनुपात विश्लेषण

क्रम	अनुपात	ईकाई	2024-25	2025-26	प्रतिशत
			राशि/अनुपात		परिवर्तन
1	अग्रिमों पर प्राप्ति	%	9.33	9.22	-0.11
2	निवेश पर प्राप्ति	%	7.29	7.27	-0.02

3	जमा लागत	%	4.33	4.26	–0.07
4	उधार लागत	%	6.53	5.74	–0.79
5	फण्ड का औसत लागत	%	4.30	4.15	–0.15
6	फण्ड पर औसत आय	%	8.46	8.30	–0.16
7	प्रबन्धन की लागत	%	3.11	2.96	–0.15
8	वर्किंग फण्ड के सापेक्ष विविध आय का प्रतिशत	%	0.49	0.54	0.05
9	शुद्ध मार्जिन	%	1.15	1.11	–0.04
10	वित्तीय मार्जिन	%	4.16	4.15	–0.01
11	जोखिम लागत	%	0.11	0.35	0.24
12	आस्तियों से आय	%	0.87	0.83	–0.04
13	इक्विटी से आय	%	16.21	14.80	–1.41
14	व्यय अनुपात	%	71.13	66.98	–4.15
15	सकल एन पी ए	करोड़ में	148.86	162.42	13.56
16	शुद्ध एन पी ए	करोड़ में	0.00	0.00	0
17	सकल एन पी ए हेतु प्रावधान	%	100	100	0
18	ऋणों के सापेक्ष सकल एन पी ए का प्रतिशत	%	3.25	3.07	–0.18
19	ऋणों के सापेक्ष शुद्ध एन पी ए का प्रतिशत	%	0.00	0.00	0
20	(सी आर ए आर) पूंजी पर्याप्तता अनुपात	%	12.63	13.85	1.22

बैलेंस शीट का आकार

31.03.2025 को बैंक की बैलेंस शीट का आकार ₹ 9,546.76 करोड़ था, जो 31.03.2026 को बढ़कर ₹ 10,419.62 करोड़ हो गया। इस प्रकार वर्ष के दौरान ₹ 872.86 करोड़ की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष वृद्धि ₹ 809.81 करोड़ थी।

शेयर पूंजी एवं भंडार

बैंक की कुल अधिकृत पूंजी ₹ 2,000 करोड़ है, जिसे ₹10 प्रत्येक के 200,00,00,000 पूर्णत: चुकता इक्विटी शेयरों में विभाजित किया गया है। 31.03.2026 तक बैंक की कुल चुकता शेयर पूंजी ₹ 1,84,26,65,000 (₹10 प्रत्येक के 18,42,66,500 शेयर) है। शेयर पूंजी में योगदान क्रमश: भारत सरकार, भारतीय स्टेट बैंक (प्रायोजक बैंक) एवं राज्य सरकार द्वारा 50:35:15 के अनुपात में किया गया है।

(राशि रु० में)

शेयरधारक	शेयरधारिता (प्रतिशत में)	कुल पूंजी (31.03.2026 को)
केन्द्र सरकार	50 प्रतिशत	921,332,500
भारतीय स्टेट बैंक	35 प्रतिशत	644,932,750
राज्य सरकार	15 प्रतिशत	276,399,750
कुल		1,842,665,000

31.03.2026 को कुल रिज़र्व रु० 382.03 करोड़ रहा जो 31.03.2025 को रु० 298.25 करोड़ था।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर)

वित्तीय वर्ष के अंत में पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) 31.03.2025 के 12.63 प्रतिशत की तुलना में वृद्धि के साथ 13.85 प्रतिशत हो गया। टीयर-I तथा टीयर-II पूंजी का विवरण, रिज़र्व तथा पूंजी पर्याप्तता की गणना निम्नवत है।

(राशि करोड़ रु० में)

	पूंजी	2024–25	2025–26
1	टीयर-I		
	(क) प्रदत्त पूंजी शेयर पूंजी जमा सहित	184.27	184.27
	कम: संचित हानि/अमूर्त आस्तियाँ	0.71	0.00
	(ख) वैधानिक रिजर्व एवं अधिशेष	84.48	101.24
	(ग) कैपिटल रिजर्व	0.00	0.00
	(घ) अन्य रिजर्व	82.10	82.10
	(ङ) विशेष रिजर्व (आय कर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1)(viii) के अंतर्गत)	0.00	0.00
	(च) लाभ हानि खाते का अधिशेष	88.16	154.72
	कुल रिजर्व (ख +ग+घ+ङ+च)	254.30	338.06
	कुल टीयर-I पूंजी	438.29	522.33
2	टीयर-II		
	(क) अघोषित रिजर्व	0.00	0.00
	(ख) पुनर्मुल्यांकन रिजर्व	0.00	0.00
	(ग) सामान्य प्रावधान एवं रिजर्व	26.53	22.52
	(घ) निवेश संबंधी उतार चढाव रिजर्व/निधि	43.51	43.98
	कुल टीयर-II पूंजी	70.04	66.49
	महायोग (टीयर-I+टीयर-II)	508.33	588.82
3	(क) वित्तपोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (बैलेंस शीट आइटम)	4015.39	4243.50

	(ख) गैर वित्त पोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (ऑफ बैलेंस शीट आइटम)	10.02	8.05
	(ग) कुल जोखिम भारित आस्तियाँ (a+b)	4025.41	4251.54
	(घ) कुल जोखिम भारित आस्तियाँ के सापेक्ष पूंजी (टीयर-I+टीयर-II) का प्रतिशत	12.63%	13.85%

जमाराशियाँ

31.03.2026 तक कुल जमा राशि ₹ 9,118.87 करोड़ रही, जबकि 31.03.2025 को यह ₹ 8,470.49 करोड़ थी। इस प्रकार जमा राशि में 7.65% की वृद्धि दर्ज की गई।

(राशि करोड़ में)

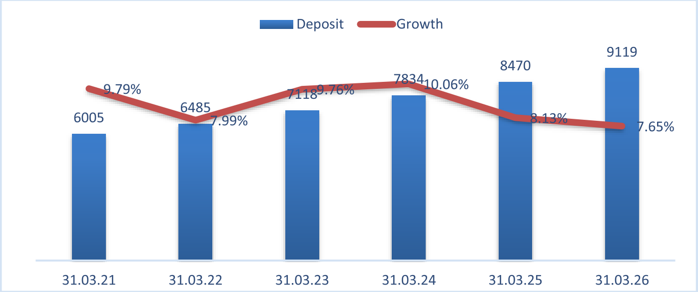

जमा मिश्रण

CASA जमा में ₹ 321.75 करोड़ (6.58%) की वृद्धि होकर यह 31.03.2026 का ₹ 5,213.05 करोड़ हो गया, जबकि 31.03.2025 को यह ₹ 4,891.30 करोड़ था। सावधि जमा में ₹ 326.61 करोड़ की वृद्धि के साथ यह 9.13% की वृद्धि दर पर ₹ 3,905.81 करोड़ तक पहुँच गया, जबकि 31.03.2025 को यह ₹ 3,579.20 करोड़ था।

कुल जमाओं में CASA जमा का हिस्सा 31.03.2025 के 57.75% से घटकर 31.03.2026 को 57.17% रह गया।

(राशि करोड़ में)

जमा मिश्रण	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
चालू खाता	151.71	171.02	200.84	214.39
वृद्धि	-2.78	19.31	29.82	13.55
वृद्धि प्रतिशत	-1.80%	12.73%	17.44%	6.75%
बचत बैंक खाता	3988.58	4392.93	4690.46	4998.66
वृद्धि	378.69	404.35	297.53	308.20
वृद्धि प्रतिशत	10.49%	10.14%	6.77%	6.57%
कुल CASA	4140.29	4563.95	4891.29	5213.05
वृद्धि	375.91	423.66	327.34	321.75
वृद्धि प्रतिशत	9.99%	10.23%	7.17%	6.58%
सावधि जमा	2977.47	3269.67	3579.20	3905.81
वृद्धि	256.31	292.20	309.53	326.61
वृद्धि प्रतिशत	9.42%	9.81%	9.47%	9.13%
कुल जमा	7117.76	7833.62	8470.49	9118.87
वृद्धि	632.22	715.86	636.87	648.38
वृद्धि प्रतिशत	9.75%	10.06%	8.13%	7.65%

डीआईसीजीसी प्रीमियम

जमा राशियों की सुरक्षा हेतु बैंक द्वारा नियमित रूप से निपेक्ष बीमा एवं प्रत्यय गारंटी निगम को प्रीमियम का भुगतान नियत समय में किया जा रहा है।

उधारियाँ

वित्त वर्ष के दौरान बैंक द्वारा कुल ₹ 383.58 करोड़ का पुनर्वित्त प्राप्त किया गया तथा 31 मार्च 2026 तक बैंक की कुल उधारियाँ ₹ 431.12 करोड़ रहीं।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक वित्तीय वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 के दौरान विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त उधारियों का विवरण

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	अभिकरण का नाम	प्रकार	2023-24	31-03-24 को अवशेष	2024-25	31-03-25 को अवशेष	2025-26	31-03-26 को अवशेष
1	नाबार्ड	ST-SAO	116.00	95.00	107.15	107.15	135.00	135.00
2	नाबार्ड	LTCRF/LTNFS	26.00	43.61	30.00	61.61	47.00	91.98
3	नाबार्ड	NRLM	-	-	-	-	-	-
4	नाबार्ड	ST-Others	50.00	50.00	112.00	112.00	150.00	150.00
	कुल नाबार्ड		-	188.61	249.15	280.77	332.00	376.98

5	सिडबी	RMSE					25.00	25.00
6	सिडबी	MSERS					25.00	25.00
	कुल सिडबी			188.61			50.00	50.00
7	एनएसकेएफडीसी	TERM LOAN	-	-	0.40	0.35	0.32	0.34
8	एनएचएफडीसी	TERM LOAN	0.06	0.093	0.12	0.17	0.11	0.23
9	एनएसटीएफडीसी	TERM LOAN	0.32	0.89	0.51	1.07	0.50	1.26
10	एनबीसीएफडीसी	TERM LOAN	0.33	0.74	0.35	0.99	0.39	1.23
11	एनएसएफडीसी	TERM LOAN	0.67	0.64	0.55	1.06	0.26	1.08

निवेश

31.03.2026 तक बैंक का कुल निवेश पोर्टफोलियो ₹ 268.93 करोड़ (7.32%) की वृद्धि के साथ पिछले वर्ष के ₹ 3,671.25 करोड़ से बढ़कर ₹ 3,940.18 करोड़ हो गया।

पश्चिमी परिस्थितियों के प्रभाव से प्रतिफल (Yield) में वृद्धि होने के कारण 31.03.2026 तक निवेश की AFS श्रेणी पर बैंक को ₹11.82 करोड़ का MTM (मार्क-टू-मार्केट) घाटा हुआ।

सरकारी प्रतिभूतियों, जिसमें SDL एवं SSDL शामिल हैं, की संशोधित अवधि (Modified Duration) 4.04 वर्ष रही।

(राशि करोड़ में)

क्र.सं.	निवेश	राशि	निवेश पोर्टफोलियो का %	NDTL का %
1	एसएलआर	3836.82	97.38%	NA
1.1	एएफएस	2095.48	54.58%	22.65%
1.2	एचटीएम	1741.34	42.09%	18.82%
2	एसएसडीएल	10.01	0.25%	NA
3	म्यूचल फण्ड	59.30	1.51%	NA
4	बोण्ड्स	34.04	0.86%	NA

नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात (सीआरआर एवं एसएलआर)

बैंक द्वारा नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात की विनियामक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त अवशेष बनाये रखा गया है। बैंक में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) गणना हेतु स्पष्ट प्रणाली है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के मानदेयों के पालन में कोई चूक नहीं की गई है। बैंक द्वारा 31.03.2026 की तिथि में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में रु० 276.10 करोड़ और सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में रु० 3882.12 करोड़ की राशियाँ रखी गई है।

बैंक द्वारा एचटीएम श्रेणी की प्रतिभूतियों में रु० 1741.34 करोड़ की धनराशि निवेशित है एवं AFS श्रेणी में बैंक द्वारा रु० 2095.48 करोड़ निवेशित है। बैंक ने एसएलआर निवेश से वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रु० 268.94 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश से औसत आय (Average yield on SLR investment) 7.30% है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय से रु० 5.65 करोड़ का लाभ प्राप्त किया गया है।

ऋण पोर्टफोलियो

31.03.2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का ऋण पोर्टफोलियो 15.42% की वृद्धि के साथ पिछले वर्ष के ₹ 4,577.95 करोड़ से बढ़कर ₹ 5,284.06 करोड़ हो गया। इस प्रकार ₹ 706.11 करोड़ की निरपेक्ष वृद्धि दर्ज की गई।

वित्त वर्ष 2025-26 में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों में 22.44% की वृद्धि हुई और यह बढ़कर ₹ 3,234.59 करोड़ तक पहुँच गया।

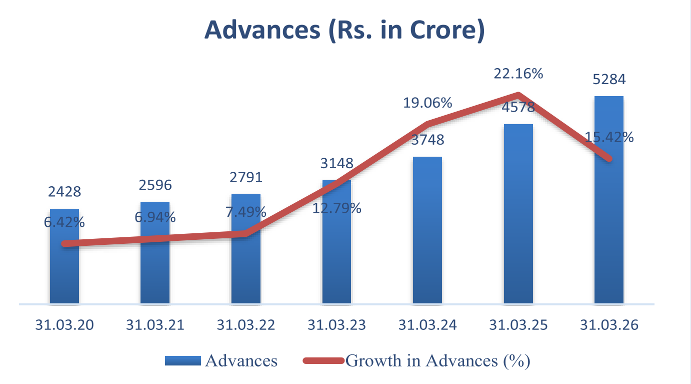

कृषि क्षेत्र को ऋण

31.03.2026 तक कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को कुल ऋण ₹ 818.36 करोड़ रहा, जबकि 31.03.2025 को यह ₹ 695.05 करोड़ था। इस प्रकार 17.74% की वृद्धि दर्ज की गई।

बैंक ने चालू वित्त वर्ष के दौरान कृषि क्षेत्र में ₹ 597.91 करोड़ का वितरण किया, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह ₹ 535.87 करोड़ था।

(राशि करोड़ में)

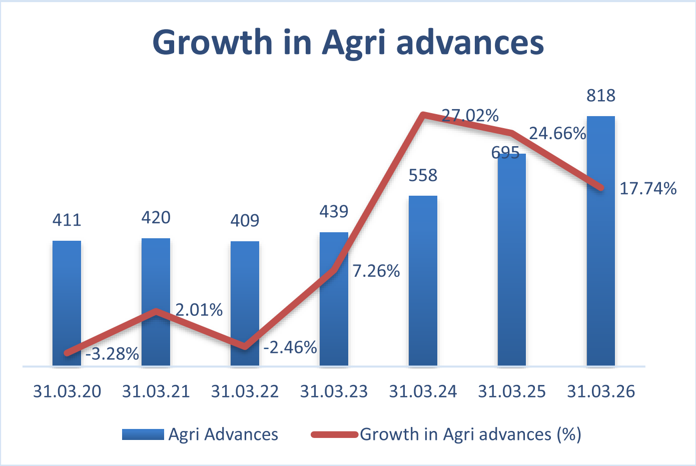

नया कृषि ऋण उत्पाद

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कृषि उद्यमों के वित्तपोषण हेतु ''कृषि उद्यम ऋण योजना'' भी प्रारंभ की।

किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत फसल ऋण

बैंक ने उपलब्ध सीमित संभावनाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषि ऋण वितरण के लिए सभी प्रयास किए हैं। 31.03.2026 तक बैंक में कुल 43,406 केसीसी खाते हैं, जिनमें से वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 5,553 नए केसीसी जारी किए गए।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक ने केसीसी धारकों को ₹ 254.04 करोड़ का ऋण वितरित किया, जबकि कुल बकाया राशि ₹ 380.96 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2025-26 में केसीसी में वर्ष-दर-वर्ष 11.47% की वृद्धि दर्ज की गई।

ब्याज अनुदान (Interest Subvention)

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंक ₹ 3.00 लाख तक के सभी फसल ऋण उधारकर्ताओं से 7% ब्याज दर वसूल रहा है। इसी क्रम में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक ने भारत सरकार से 1.5% ब्याज अनुदान के अंतर्गत योजना वर्ष 2023-24 हेतु ₹ 18.50 लाख तथा योजना वर्ष 2024-25 हेतु ₹ 85.31 लाख का दावा किया।

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, बैंक ने केसीसी धारकों को त्वरित पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (PRI) के अंतर्गत 3% का लाभ ₹ 1.67 करोड़ की राशि तक प्रदान किया तथा संबंधित दावा नाबार्ड को प्रस्तुत किया गया।

संयुक्त देयता समूह (JLGs)

संयुक्त देयता समूह भूमिहीन कृषकों, पट्टेदार किसानों, लघु एवं सीमांत किसानों तथा अन्य गरीब व्यक्तियों को कृषि, कृषितर एवं गैरकृषि गतिविधियों हेतु ऋण प्रवाह बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। 31.03.2026 तक बैंक के पास 4,695 जेएलजी खातों का ऋण पोर्टफोलियो था, जिसकी बकाया राशि ₹ 20.12 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 86 नए खातों को ₹ 0.52 करोड़ की राशि के साथ वित्तपोषित किया गया।

स्वयं सहायता समूह

ग्रामीण जनता, विशेषकर महिला स्वयं सहायता समूहों में जागरूकता बढ़ाने तथा उनकी तात्कालिक ऋण आवश्यकताओं की बेहतर एवं कम लागत पर पूर्ति के उद्देश्य से बैंक ने स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं ऋण संबद्धता पर विशेष जोर दिया है। 31.03.2026 तक बैंक ने 13,103 स्वयं सहायता समूहों को वित्तपोषित किया, जिनका कुल बकाया पोर्टफोलियो ₹ 175.62 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 3,248 समूहों का ₹ 136.69 करोड़ की ऋण सीमाएँ स्वीकृत की गई, जिनमें से 3,066 समूह NRLM के अंतर्गत तथा 182 समूह NRLM के अतिरिक्त बैंक से ऋण संबद्ध किए गए।

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) - ब्याज अनुदान योजना

बैंक ने नाबार्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार NRLM योजना को लागू किया है। इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिए एक प्रभावी संस्थागत मंच तैयार करना है, जिससे वे सतत आजीविका संवर्धन एवं वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच के माध्यम से अपनी पारिवारिक आय में वृद्धि कर सकें।

योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार, राज्य सरकार के विभागों अथवा नाबार्ड द्वारा प्रोत्साहित एवं बैंक से संबद्ध सभी महिला DAY-NRLM स्वयं सहायता समूह योजना का लाभ लेने के पात्र हैं।

योजना के अनुसार वर्ष 2025-26 में महिला SHGs को दिए गए ऋण पर ब्याज अनुदान योजना देश के सभी जिलों में लागू है। सभी पात्र महिल SHGs को ₹ 3 लाख तक के ऋण पर 7% ब्याज दर से ऋण प्रदान किया गया तथा सरकार द्वारा 4.50% प्रतिवर्ष की समान दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त ₹ 3 लाख से अधिक एवं ₹ 5 लाख तक के ऋण पर सरकार द्वारा 5% की समान दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (Priority Sector Lending)

31.03.2026 तक बैंक के कुल बकाया अग्रिम ₹ 5,284.06 करोड़ रहे। प्राथमिकता क्षेत्र एवं उप-क्षेत्रवार उपलब्धियों का विस्तृत विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है-

वर्ग	लक्ष्य	उपलब्धि
कुल प्राथमिकता क्षेत्र	75.00	75.73
कृषि	18.00	18.40
लघु एवं सीमांत कृषक	10.00	11.83
माइक्रो एंटरप्राइज	7.50	29.50
कमजोर वर्ग	15.00	28.73

(राशि करोड़ में)

क्रम	वर्ग	2024-25		2025-26	
		खातों की सं०	अवशेष राशि	खातों की सं०	अवशेष राशि
1.	कमजोर वर्ग	80035	1184.18	80876	1607.13
2.	महिला ऋणी	21979	945.89	23768	1182.54
3.	अल्पसंख्यक	4126	158.77	4391	194.06
4.	अनुसूचित जाति/ जनजाति	14522	375.75	13923	401.39

अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष में अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र (IBPC) में भाग नहीं लिया गया।

प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाण पत्र

आरबीआई परिपत्र संख्या RBI/FIDD/2020-21/72 (FIDD.CO.Plan.BC.5/04.09.01/2020-21) दिनांक 04 सितंबर 2020 के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान निम्नानुसार PSLC में लेन-देन किया:

(राशि करोड़ में)

क्रम	वर्ग	अवधि की समाप्ति पर			
		30.06.25	30.09.25	31.12.25	31.03.26
1	जारी किए गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (1.1+1.2+1.3+1.4)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक	0.00	0.00	0.00	0.00
1.3	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज	0.00	0.00	0.00	0.00
1.4	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य	0.00	0.00	0.00	0.00
2	खरीदे गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (2.1+2.2+2.3+2.4)	820.00	820.00	820.00	820.00
2.1	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि	170.00	170.00	170.00	170.00
2.2	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक	0.00	0.00	0.00	0.00
2.3	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज	0.00	0.00	0.00	0.00
2.4	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य	650.00	650.00	650.00	650.00

सरकार प्रायोजित योजनाएँ

बैंक द्वारा विभिन्न राज्य तथा केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं में, ऋण प्रदान कर सक्रिय रूप से भागीदारी की गई है।

दिनांक 31.03.2026 को राजकीय प्रायोजित योजनाओं की स्थिति

(राशि करोड़ में)

योजना	31.03.2026 की तिथि में अवशेष		वित्तीय वर्ष 2025-26 में ऋण वितरण	
	इकाइयों की संख्या	राशि	इकाइयों की संख्या	राशि
डे-एनआरएलएम	12102	167.86	7495	144.24
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना	221	50.16	74	17.40
पीएमईजीपी	2027	53.97	1027	6.08
एनयूएलएम (एसजेएसवाई)	674	4.69	169	1.58
एमएसएसवाई-सोलर	481	325.13	407	187.16
एमएसवाई	11974	329.18	5918	150.52
होमस्टे	187	33.33	127	9.88
स्वनिधि	374	0.75	259	0.69

पीएमएफएमई	143	9.58	93	4.42
अन्य	1622	25.28	339	12.02
कुल	**29805**	**999.93**	**15908**	**534.00**

राज्य ऋण योजनाओं में भागीदारी

राज्य ऋण योजनाओं में बैंक की भागीदारी निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ में)

		2024-25			2025-26		
		लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	प्राप्ति	%प्राप्ति
1.	फ़सली ऋण	1088.55	1088.55	1088.55	973.77	438.15	44.99%
2.	एटीएल	537.93	537.93	537.93	373.23	159.76	42.80%
3.	एनएफएस	1499.56	1499.56	1499.56	1544.73	1022.16	66.17%
4.	ओपीएस	73.21	73.21	73.21	98.81	123.10	124.58%
5.	कुल प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र	3577.27	3577.27	3577.27	3616.28	1743.16	48.20%
6.	गैर प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र	673.74	673.74	673.74	2417.49	1328.21	54.94%
7.	कुल ऋण वितरण	4251.01	4251.01	4251.01	6033.77	3071.37	50.90%

खुदरा ऋण

वित्तीय वर्ष के दौरान, आवास, शिक्षा ऋण, वैयक्तिक ऋण, मांग ऋण, आदि के लिए खुदरा ऋण के क्षेत्र में हमारा प्रदर्शन निम्नानुसार रहा है:-

(राशि करोड़ में)

क्रम	ऋण खण्ड	31 मार्च 2025 को बकाया		31 मार्च 2026 को बकाया	
		कुल खातों की सं.	राशि	कुल खातों की सं.	राशि
1	गृह ऋण	9728	1281.48	10203	1420.01
2	शिक्षा ऋण	700	33.33	915	43.55
3	कार ऋण	2941	152.66	2929	154.51
4	अन्य वैयक्तिक ऋण	16497	1016.92	17812	1097.29
5	कुल वैयक्तिक ऋण	29866	2484.39	31859	2715.36

CERSAI

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हमारा बैंक CERSAI में पंजीकृत है तथा इसके समस्त निर्देशों का बैंक द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। हमारे सभी ऋण खाते जिनमें बैंक द्वारा साम्यमूल बंधक अथवा दृष्टिबंधक प्रभार लिया गया है एवं जो दिनांक 31.03.2025 की तिथि में SARFAESI अधिनियम 2002 के अन्तर्गत सुरक्षित है का निर्धारित अवधि में CERSAI में पंजीकरण किया गया है।

इसके साथ ही बैंक के पक्ष में सृजित किए गए सुरक्षा हित का विवरण CERSAI के सार्वजनिक डोमेन पर नागरिकों/अन्य बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं द्वारा जांच के लिए उपलब्ध है जिससे एक ही संपत्ति पर संभावित बहु वित्तपोषण/धोखाधड़ी को रोका जा सके।

माइक्रो यूनिट हेतु क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफएमयू)

बैंक को वित्तीय वर्ष 2022-23 में सीजीएफएमयू की सदस्यता प्राप्त हुई है। दिनांक 31.03.2026 को कुल 19548 खाते (टीएल/सीसी) सीजीएफएमयू के अन्तर्गत आच्छादित हैं।

शिक्षा ऋण हेतु क्रेडिट गारंटी फंड योजना (सीजीएफएसईएल)

हमारे बैंक को वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएफएसईएल की सदस्यता प्राप्त हुई।

31.03.2026 तक कुल 592 खातों को सीजीएफएसईएल के अंतर्गत शामिल किया गया है।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई)

हमारे बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में सीजीटीएमएसई के अंतर्गत क्रेडिट गारंटी योजना-1 (सीजीटीएमएसई) की सदस्यता एक सदस्य ऋणदाता संस्था (MLI) के रूप में प्राप्त हुई।

31.03.2026 तक सीजीटीएमएसई के अंतर्गत कुल 892 खाते, जिनकी राशि ₹ 429.08 करोड़ है, शामिल किए गए हैं।

एनएबीसंरक्षण (NABSANRAKSHAN) क्रेडिट गारंटी योजना के अंतर्गत कृषि व्यवसाय से संबंधित एफपीओ (FPO) को प्रदत्त ऋणों का कवरेज

दिनांक 31.03.2026 तक कुल 18 एफपीओ खातों को ₹ 2.55 करोड़ की राशि हेतु एनएबीसंरक्षण क्रेडिट गारंटी के अंतर्गत आच्छादित किया गया है।

क्रेडिट सूचना कंपनियाँ

हमारा बैंक CIBIL (क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड) का सदस्य है। CIBIL में बैंक नियमित रूप से सूचनायें अपलोड कर रहा है और हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएँ CIBIL रिपोर्ट का उपयोग करते हुए आवेदकों की Credit history का विवेचन कर ऋण स्वीकृति के निर्णय ले रहे है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तीन अन्य क्रेडिट कम्पनियों इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एक्सपेरियन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को पंजीकरण प्रमाण पत्र दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्र क्रमांक DBR No.CID.BC.60/ 20.16.056/2014-15 दिनांक 15/01/2015 के द्वारा सभी वित्तीय संस्थानों को सभी क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के परिपालन में बैंक द्वारा उल्लिखित तीनों क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता भी ग्रहण कर ली गई है।

परिसंपत्ति गुणवत्ता : अनुत्पादक परिसंपत्तियों (NPA) का प्रबंधन

दिनांक 31.03.2025 को बैंक की अनुत्पादक परिसंपत्तियाँ (NPA) ₹148.86 करोड़ थीं, जो दिनांक 31.03.2026 को बढ़कर ₹ 162.42 करोड़ हो गई। कुल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में सकल एनपीए (Gross NPA) में सुधार दर्ज किया गया तथा यह 31.03.2025 के 3.25% से घटकर 31.03.2026 को 3.07% हो गया। शुद्ध अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में शुद्ध एनपीए (Net NPA) दिनांक 31.03.2026 को शून्य रहा। Fresh Slippage Ratio दिनांक 31.03.2026 को 0.76% से बढ़कर 1.12% हो गया।

परिसंपत्ति गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु बैंक द्वारा कुल 299 शाखाओं में से 208 शाखाओं को CPC/AMSH मॉडल के अंतर्गत आच्छादित किया गया है।

ऑपरेशन प्रहार

वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय तिमाही के दौरान एनपीए की वसूली हेतु बैंक द्वारा ''ऑपरेशन प्रहार'' प्रारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत वर्षवार एवं खातावार विवरण संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ साझा किए गए। इस अभियान के परिणामस्वरूप कुल 367 एनपीए खाते, जिनकी राशि ₹ 8.55 करोड़ थी, बंद/अपग्रेड किए गए।

सरफेसी अधिनियम एवं वाद दायर करना

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान सरफेसी अधिनियम (SARFAESI Act) के अंतर्गत बैंक का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा :

(राशि करोड़ में)

जारी किये गये मांग नोटिस		जारी किये गये कब्जा अधिकार नोटिस		कब्जा अधिकार प्राप्त		नीलामी		नियमितीकरण	
खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि
111	9.74	77	7.11	6	1.02	0	0	42	8.71

दिनांक 31 मार्च 2026 में दायर किए गए वाद की स्थिति

(राशि करोड़ में)

वाद दायर		डिक्री प्राप्त		ईपी दायर		वाद दायर करने के उपरांत वसूली	
323	12.08	23	1.05	3	0.18	44	0.96

समझौता प्रस्ताव/ओटीएस

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में बोर्ड से अनुमोदित समझौता समाधान योजना के अन्तर्गत कई वर्षो के लम्बित अनर्जक ऋण खाते, जिनमें पर्याप्त प्रावधान पहले से किये गये थे, में पर्याप्त वसूली की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में समझौता प्रस्ताव/ओटीएस में प्रदर्शन

(राशि करोड़ में)

समझौता	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
खातों की संख्या	466	619	952	886	1066	815
राशि	5.02	6.06	11.53	15.55	14.01	8.50

जो कि निम्न माध्यमों से निस्तारित किए गये–

लोक अदालत

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 192 मामलों में रु० 1.71 करोड़ की राशि के मामले लोक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

बैंक अदालत

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रु० 0.85 करोड़ की राशि के 55 मामले बैंक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

ऋण खातों का अपलेखन

बैंक द्वारा उन अनर्जक आस्तियों जिन्हें संदिग्ध एवं हानिप्रद आस्तियों के अन्तर्गत श्रेणीबद्ध किया गया है तथा जिसमें वसूली के सभी प्रयास किये जा चुके थे, का अपलेखन किया गया है जिसका विवरण निम्नवत है।

(राशि करोड़ में)

	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
खातों की संख्या	67	1188	989	549	1940
अपलिखित राशि	0.84	9.62	9.64	4.47	11.14
काल्पनिक ब्याज	1.02	17.20	17.78	6.98	21.58
कुल राशि	1.86	26.81	27.42	11.45	32.72

आस्ति वर्गीकरण

(राशि करोड़ में)

आस्ति	2024-25		2025-26	
	बकाया	प्रतिशत	बकाया	प्रतिशत
मानक	4429.10	96.75%	5121.64	96.93%
अवमानक	26.92	0.59%	45.16	0.85%
संदिग्ध	118.51	2.59%	112.98	2.14%
हानिप्रद	3.43	0.07%	4.28	0.08%
कुल अनर्जक आस्ति	148.86	3.25%	162.42	3.07%
कुल ऋण	**4577.95**		**5284.06**	

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली - निरीक्षण और लेखा परीक्षा

बैंक की सभी गतिविधियों को आंतरिक लेखा परीक्षा के अन्तर्गत शामिल किया जाता है, जिसमें छः अलग-अलग प्रकार के ऑडिट शामिल होते हैं: (ए) जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए) (बी) समवर्ती लेखा परीक्षा (सी) पूरक ऑडिट (डी) आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा (ई) अनुपालन लेखा परीक्षा (एफ) सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (जी) लीगल ऑडिट (एच) स्टॉक ऑडिट (आई) आई एस ऑडिट।

जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए)

वित्तीय वर्ष 2025-26 से बैंक में जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन प्रणाली (Risk Focused Internal Audit Report System) में प्रायोजक बैंक भारतीय स्टेट बैंक के सुझावानुसार संशोधन किया गया है। बेहतर रेटिंग हेतु लेखा परीक्षण मानकों एवं मापदंडों को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से इस प्रतिवेदन प्रणाली में आईटी (IT) एवं सूचना सुरक्षा (IS) संबंधी पहलुओं को भी सम्मिलित किया गया है।

रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत पैरामीटरवार अंकन एवं निरीक्षण की अधिकतम आवधिकता निम्नानुसार निर्धारित की गई है :

शाखा रेटिंग	शाखा/कार्यालय की श्रेणी	निरीक्षण की अधिकतम आवधिकता
AA	निम्न जोखिम	21 माह के भीतर
AB एवं BA	मध्यम जोखिम	18 माह के भीतर
BB	उच्च जोखिम	15 माह के भीतर
AC, BC, CA, CB एवं CC	अत्यधिक उच्च जोखिम	12 माह के भीतर
AD, BD, CD, DA, DB, DC एवं DD	अति गंभीर जोखिम	9 माह के भीतर

हानिप्रद शाखाएँ

दिनांक 31.03.2026 को गत वर्ष की कुल 6 हानिप्रद शाखाओं के सापेक्ष 2 शाखाएं हानिप्रद रही।

हानिप्रद शाखाओं की संख्या

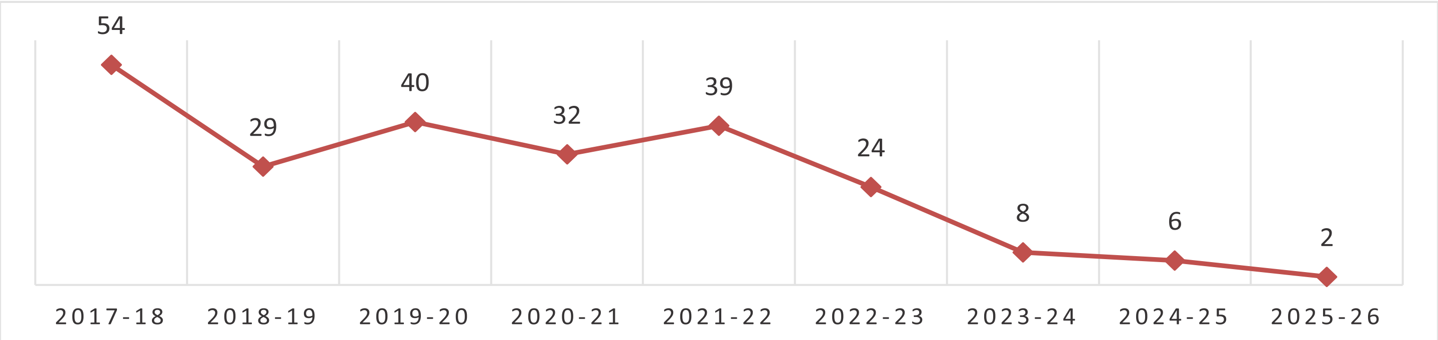

बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऑडिट एवं निरीक्षण नीति के अनुसार AA श्रेणी की निम्न जोखिम शाखाओं का निरीक्षण 21 माह के भीतर, AB एवं BA श्रेणी की मध्यम जोखिम शाखाओं का 18 माह के भीतर, BB श्रेणी की उच्च जोखिम शाखाओं का 15 माह के भीतर, AC, BC, CA, CB एवं CC श्रेणी की अत्यधिक उच्च जोखिम शाखाओं का 12 माह के भीतर तथा ID, BD, CD, DA, DB, DC एवं DD श्रेणी की अति गंभीर जोखिम शाखाओं का 9 माह के भीतर किया जाना निर्धारित है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 299 शाखाओं में से 232 शाखाओं का लेखा परीक्षण किया गया। शाखाओं द्वारा प्राप्त रेटिंग निम्नानुसार रही :

जोखिम श्रेणी	शाखा रेटिंग	वित्तीय वर्ष 2025-26 में लेखा परीक्षण की गई शाखाओं की संख्या	शाखाओं की कुल स्थिति 2025-26
निम्न जोखिम	AA	119	119
मध्यम जोखिम	AB एवं BA	55	55
उच्च जोखिम	BB	51	51
अत्यधिक उच्च जोखिम	AC, BC, CA, CB एवं CC	7	7
अति गंभीर जोखिम।	D, BD, CD, DA, DB, DC एवं DD	0	0
कुल		232	232

पुराने RFIA मापदंडों के अनुसार रेटिंग	रेटिंग	शाखाओं की संख्या
सुव्यवस्थित नियंत्रित	A+	25
पर्याप्त रूप से नियंत्रित	A	34
सामान्य रूप से नियंत्रित	B	0
असंतोषजनक ढंग से नियंत्रित	C	0
नई शाखाएँ (लेखा परीक्षण रहित)		8
कुल		**67**

लेखा परीक्षकों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों पर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई की गई। विभाग ने निष्पक्ष एवं पूर्वाग्रह रहित तरीके से कार्य करते हुए बैंक की प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वर्ष के दौरान बंद किए जाने हेतु देय 112 ऑडिट प्रतिवेदनों (जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के 23 लंबित प्रतिवेदन सम्मिलित थे) में से सभी प्रतिवेदनों का निस्तारण दिनांक 31.03.2026 तक कर दिया गया।

समवर्ती लेखा परीक्षा

बैंक में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के एक भाग के रूप में, वित्त वर्ष 2011-12 में नाबार्ड द्वारा जारी नीति दिशानिर्देशों के अनुसार समवर्ती लेखा परीक्षा शुरू की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 115 शाखाओं की बैंक के आन्तरिक लेखा परीक्षों, 13 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों एवं 8 सीए फर्मो की टीम द्वारा समवर्ती लेखा परीक्षा की गई है।

समवर्ती लेखा परीक्षा में निम्न क्षेत्र शामिल है:-

ए) नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते इ) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

पूरक ऑडिट

नाबार्ड के दिशा-निर्देशों पर बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 से बैंक के आंतरिक नियत्रंण प्रणाली के भाग के रूप में पूरक ऑडिट की शुरूआत की गई थी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों 22 शाखाओं का पूरक ऑडिट किया गया।

पूरक ऑडिट में निम्न क्षेत्र शामिल है:-

एऋ नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते इ) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा

आंतरिक मूल्यांकन लेखापरीक्षा उन शाखाओं में की जाती है जो समवर्ती लेखा परीक्षा के अंतर्गत नहीं आती हैं। क्षेत्रीय कार्यालय आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा करने के लिए अधिकारियों को एक शाखा से दूसरी शाखा में प्रतिनियुक्त करते हैं।

अनुपालना ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 58 (30%) शाखाओं में अनुपालन लेखा परीक्षा की गई है (न्यूनतम 30%)।

क्रेडिट ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान सभी 22 पात्र खातों में क्रेडिट ऑडिट किया गया।